तापमान
अधिकतम 42 .4 डिग्री
न्यूनतम 19 .6 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 अप्रैल 2025

11 श्रावकों के लिए ध्वजा का कार्य सदा महत्वपूर्ण

12 गोशालाओं को कभी मिलता था दो करोड़ बजट ...

शहर में आज

- पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार जिला विकास भवन में लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।
- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।

खबर संक्षेप

प्रो. सत्यवान जींद विवि के ईसी सदस्य मनोनीत

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज एंड कॉमर्स के

डीन प्रो. सत्यवान बरोदा को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने चौ. रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी, जींद की कार्यकारी परिषद में गवर्नर नॉमिनी मनोनीत किया है। परिपत्र जारी कर बताया कि चौ. रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी, जींद की कार्यकारी परिषद में बतौर गवर्नर नॉमिनी प्रो. सत्यवान बरोदा को तुरंत प्रभाव से दो वर्ष हेतु नॉमिनेट किया गया है।

कार की टक्कर से बुलेट बाइक सवार युवक घायल

महम। रोहतक हिसार रोड पर मदीना गांव के पास एक सड़क हादसे में बुलेट मोटर साइकिल सवार दो युवक घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए रोहतक के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

बहलबा में घर से महिला का रिवाल्वर चोरी, केस

महम। बहलबा गांव की एक महिला ने महम थाने में शिकायत दी है। जिसमें उसने कहा है कि घर में रखा उसका एक लाइसेंसी रिवाल्वर व रोंद चोरी हो गए। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में बहलबा गांव निवासी विक्की पत्नी संदीप ने बताया कि उसके पति संदीप ने जे एंड के राज्य के किश्तवाड़ जिले से आर्म्स लाइसेंसस बनवाया था। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सड़क हादसे में फोटोग्राफर और उसकी मां घायल

महम। मदीना गांव के पास हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार महम के एक फोटोग्राफर और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गए। इस संबंध में फोटोग्राफर ने थाना बहु अकबरपुर में शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में भैणीचंद्रपाल गांव निवासी संदीप पुत्र धर्मबीर ने बताया कि वह महम में फोटोग्राफरी करता है। उसकी मां कमलेश ने ब्रेस्ट कैंसर का ऑप्रेशन करवाया था। वह अपनी मां को लेकर रोहतक पीजीआई में चैकअप करवाने के लिए अपनी एचएफ डीलक्स पर जा रहा था। उसने रोहतक रोड पर मदीना टोल प्लाजा को क्रॉस किया तो पीछे से आ रही एक कार के चालक ने अपनी कार से बाइक में टक्कर मार दी। उसने तेज गति से, लापरवाही और गफलत से कार चलाते हुए इस घटना को अंजाम दिया।

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की सीआईए-2 स्टाफ की टीम ने एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार करने किया है। जिसके खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है। सीआईए-2 स्टाफ के एसआई सतीश कुमार ने बताया कि हरिश की टीम रोहतक झज्जर रोड नजदीक कन्हेली पुल के पास गश्त में मौजूद थी। इस दौरान दिल्ली बाईपास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान बलराज पुत्र थाम्बू गांव भैराण के रुप में हुई। उसकी तलाशी लेने पर युवक के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद हुआ है।

मंगलवार को होगी मीटिंग, मेयर वाल्मीकि सहित अन्य पार्षद रहेंगे मौजूद

पानी, सफाई व टूटी सड़कों के मुद्दे पर पार्षद असंतुष्ट, डीसी के सामने रखी जाएंगी समस्याएं

- एक सप्ताह पहले ही मांगे गए थे पार्षदों से एजेंडे
- कुछ पार्षद आज मेयर को एजेंडे सौंपेंगे

विजय अहलावत ▶▶ रोहतक

शहर की सरकार बनने के बाद मेयर रामअवतार वाल्मीकि और पार्षदों की पहली मीटिंग प्रशासन के साथ मंगलवार को होगी। डीसी धीरेंद्र खड़गटा द्वारा बुलाई गई इस मीटिंग में प्रशासन के अधिकारियों के अलावा निगम के अधिकारी शामिल रहेंगे। उपायुक्त की ओर से 17 अप्रैल को पत्र जारी करते हुए सभी पार्षदों को शिकायत लेकर आने के लिए कहा गया था। मेयर की तरफ से भी पार्षदों से एजेंडे मांगे गए। कुछ पार्षद सोमवार को मेयर को एजेंडे सौंपेंगे। बैठक में गंदे पानी, पानी की किल्लत, टूटी सड़कों और सफाई का मुद्दा ही छाया रहेगा। कई पार्षद इन मामले को लेकर असंतुष्ट हैं और उन्हें मेयर एवं जिला प्रशासन से काफी उम्मीदें हैं।

खस्ता हाल सड़कों का कैसे होगा समाधान

शहर के जींद बाईपास, वीटा प्लांट रोड, गोहाना रोड, लाढ़ौत रोड, सनसिटी रोड, सेक्टर एक, दो और तीन, झज्जर बाईपास, सोनीपत रोड, झज्जर रोड आदि ऐसे मार्ग हैं जो जर्जर हो रहे हैं। जगह जगह गहरे गड्ढे.हादसों का कारण बन रहे हैं। इन पर काफी समय से पेच वर्क भी नहीं करवाए जा रहे। टूटी सड़कों को लेकर पार्षद भी शिकायत कर रहे हैं। उनके पास वार्ड निवासी फोन कर रहे हैं। इसलिए यह मामला भी मीटिंग में मुख्य मुद्दा बनेगा।

सफाई व्यवस्था चरमराई

शहर में सफाई व्यवस्था ठप हो चुकी है। कई कॉलोनियों में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में भी शिकायतें आ रही हैं। कई-कई दिन में कॉलोनियों में कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां पहुंच रही हैं। इसके अलावा मुख्य डंपिंग प्वाइंट भी दोपहर तक साफ नहीं हो रहे। गोहाना अड्डा, टीबी अस्पताल, विकास भवन, कोर्ट रोड, सुखपुरा चौक, बाल भवन आदि ऐसे स्थान हैं, जहां शाम तक कूड़ा सड़ते हुए देखा जा सकता है। आने जाने वाले लोगों को यहां से निकलने में परेशानी आती है।

शहरवासियों के कंठ सूखे

राजेंद्र नगर, लाढ़ौत रोड, सुखपुरा, बसंत विहार, शास्त्री नगर, उत्तम विहार, बसंत विहार और आजादगढ़ में एक समय भी सही ढंग से पानी की सप्लाई नहीं दी जा रही। विशाल नगर, कबीर कॉलोनी, जसबीर कॉलोनी, रामगोपाल कॉलोनी, तिलक नगर, जनता कॉलोनी, डेयरी मोहल्ला, हनुमान कॉलोनी, तेज कॉलोनी, पुराना बस अड्डा आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जहां पानी की मुश्किल से एक समय ही सप्लाई आ रही है। इसके कन्हेली रोड की कॉलोनियों में भी पीने के पानी की समस्या बनी हुई है। शनिवार को ही आजादगढ़ और उत्तम विहार के निवासियों ने जाम लगा दिया गया था।

पार्षदों से एजेंडे मांगे गए

नगर निगम की मीटिंग मंगलवार को की जाएगी। जिसमें प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। मीटिंग में पार्षदों के वार्डों के समस्याओं पर चर्चा होगी और उनका समाधान किया जाएगा। इसके अलावा पानी की किल्लत को लेकर भी अधिकारियों से बातचीत कर निवारण किया जाएगा। पार्षदों से भी उनके वार्ड के एजेंडे मांगे गए हैं।
-रामअवतार वाल्मीकि, मेयर, रोहतक

प्रशासन स्वच्छ पेयजल का प्रबंध करे

हमारे वार्ड में गंदे पानी की बड़ी समस्या है। कई जगह गंदा पानी आता है। लोगों को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी ही नहीं मिल रहा है। लोग रोजाना शिकायत कर रहे हैं। स्वच्छ पेयजल की सप्लाई करवाई जानी चाहिए। सफाई को लेकर भी कई शिकायतें आ रही हैं। शहर के हर चौराहे डंपिंग स्टेशन बन चुके हैं। इसके अलावा हमारे पास अभी तक प्रशासन या नगर निगम की तरफ से मीटिंग का कोई पत्र ही नहीं पहुंचा है। -नीरा भटनागर, पार्षद 6

प्रशासन स्वच्छ पेयजल का प्रबंध करे

हमारे वार्ड में कोई भी सामुदायिक केंद्र और पार्क नहीं हैं। गोहाना अड्डा पर भगत सिंह पार्किंग कई साल से धूल फाक रही है। उसे सामुदायिक केंद्र बनाकर किराया तय कर दिया जाए ताकि आमजन उसका उपयोग कर सकें। शहीद लाला लाजपत राय चौक का नवीनीकरण करवाया जाएगा। स्मॉक टॉवर बंद पड़ा है इसे शुरू किया जाए। इसके अलावा वार्ड की गलियों का निर्माण करवाने, सफाई करवाने, टूटी सीवर लाइन बदलवाने, सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़वाने की मांगें रखी जाएंगी। -कपिल नागपाल, पार्षद वार्ड 7

पूजा ने जीता स्वर्ण व रजत पदक

रोहतक। दिल्ली में हुई एक दिवसीय कैंपेन फॉर डिफरेंटली एबल्ड प्रेजेंट्स एथलेटिक मीट फॉर विजुअली इंपेयर्ड में नारी उदय फाउंडेशन कपिल अंध प्रकाश विद्यालय रोहतक की प्रतिभावान दृष्टिहीन छात्रा पूजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण व रजत पदक हासिल किया है। पूजा ने लांग जम्प में प्रथम स्थान (गोल्ड मेडल) व दौड़ में रजत पदक प्राप्त कर स्कूल व हरियाणा का नाम रोशन किया। सभी ने पूजा के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कोच रानी (हुड्डा) अहलावत व प्रिंसिपल गणेश खरात, प्रेसिडेंट जीवेश गुप्ता, टूर्नामेंट डायरेक्टर संदीप फ्रौगाट, टेक्निकल ऑफिसर अमरजीत कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

पत्नी ने रोहतक छुड़वाया अब डॉक्टर हुआ लापता

- पत्नी के दबाव में रोहतक छोड़कर रेवाड़ी में क्लीनिक चला रहा था
- अब फेसबुक पर प्रताड़ना की पूरी वीडियो वायरल करके लापता हुआ डाक्टर

रोहतक/रेवाड़ी। रोहतक में कुछ समय पहले क्लीनिक चलाने वाला डॉक्टर फेसबुक पर 35 मिनट का वीडियो डालकर लापता हो गया। वीडियो में उसने कहा कि पत्नियां अब सिर्फ पैसे के लिए होती हैं। उसने लव कम अरेंज मैरिज की थी। लेकिन पत्नी ने रोहतक से घर छुड़वा दिया। वह पत्नी के साथ नारनौल में रहने लगा। जहां उसने क्लीनिक कर लिया। यहां भी उसकी सास का उसके घर में हस्तक्षेप रहा। उसने मरने की भी कोशिश की लेकिन नहीं मर सका।

13 साल पहले लव मैरिज

वीडियो में रोहतक के प्रेमनगर निवासी डॉ. नीरज कुमार ने कहा है कि शादी नारनौल शहर की नवंबर 2012 को हुई, जो लव कम अरेंज मैरिज थी। दोनों परिवारों की सहमति के बाद शादी रोहतक के एक मैरिज गार्डन में हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष का दखल उनके वैवाहिक जीवन में बढ़ता गया। उसकी पत्नी मायके से आती तो उसके घर में झगड़े शुरू हो जाते थे। वीडियो में डॉक्टर ने कहा है कि आज के समय पत्नी पैसे के लिए है, आदमी की कोई कद्र नहीं है। डॉ. नीरज ने वीडियो में कहा है कि पत्नी के तानों और रोज-रोज के झगड़ों से वह दुखी हो चुका है। वो बार-बार पुलिस शिकायत करती रहती है और झूठे आरोप लगाती है। डॉक्टर ने वीडियो में कहा है कि अभी मरने की हिम्मत नहीं है, जिस दिन हुई तो सुसाइड करेगा। साथ ही उसने सरकार से गुहार लगाई है कि पुरुषों के लिए कोई ठोस कानून बनाकर रास्ता निकाले।

आंधी से श्रीकृष्ण गोशाला की उड़ी टीन की छत, लाखों का नुकसान

- नंदीशाला में भी नुकसान, तुड़ी के शेड की दीवारें गिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

दो दिन पहले आई आंधी से फरमाणा रोड स्थित श्री कृष्ण गोशाला में और बडेसरा रोड स्थित श्री कृष्ण नंदीशाला में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। यहां पर गायों के लिए और बैलों के लिए बनाए गए शैड आंधी में उखड़ गए। आंधी में लोहे के बड़े बड़े टीन दूर खेतों में जाकर गिरे हैं। गनीमत यह रही कि जब टीन दूर जाकर गिरे तो कोई मनुष्य, पशु या जानवर वहां पर नहीं था। जिस वजह से जान का नुकसान होने से बच गया। नंदीशाला में चारा डालने के लिए एक बड़ा शैड बनाया हुआ था। आंधी में ऊपर से टीन उखड़ गया तो शैड की दीवारें भी गिर गई। महम शहर और आस पास के इलाके में 18 अप्रैल को आंधी आई थी। प्रधान धर्म सिंह सैनी ने बताया कि साल 2022 में नंदियों के चारे के लिए एक टीन शैड का निर्माण किया गया था। जिसकी दीवारें खड़ी की गई थी। अभी कुछ दिन पहले टिन शैड डलवाया गया था। 18 अप्रैल को तेज आंधी तूफान आया जिसमें टिन शैड उड़ गया और दीवारें गिर गई। उन्होंने कहा कि तूड़ी डालने के लिए शैड बनवाया गया था। प्रधान धर्म सिंह व अन्य कमेटी सदस्यों ने सरकार से मदद की गुहार लगाई है, वहीं मदद की अपील की है।

निंदाना में सरप्लस जमीन को लेकर विवाद, 13 पर केस दर्ज

महम। निंदाना गांव में सरप्लस जमीन कब्जे को लेकर दो पक्षों में चल रहे विवाद में एक पक्ष के कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस संबंध में दूसरे पक्ष के 13 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। महम थाने में दी शिकायत में बेगराज पुत्र प्रताप सिंह ने बताया कि वह और रामफल, सुरजीत, मनोज, रामनिवास, राजेश, रोहतास, प्रताप, कपूरा व अजमेर निंदाना गांव के रहने वाले हैं। वे सरप्लस जमीन के मालिक हैं। वे अपने सरप्लस वाले खेतों की जुताई के लिए खेत में गए थे। विरोधी पार्टी के खिलाफ हमारी तरफ से फसल चोरी व झगड़ा आदि के पांच छह केस पहले से ही दर्ज हैं। गत दिवस वे खेत में जुताई के लिए ट्रैक्टर लेकर पहुंचे तो आनंद पुत्र सतबीर आदि ने उनको जुताई करने से रोक दिया।

एक तरफ कंठ सूखे दूसरी तरफ पानी की बर्बादी

रोहतक। अनाज मंडी में पानी नहीं होने के कारण परेशान मजदूर व किसान, वहीं, दूसरी तरफ प्रताप चौक के पास नालियों में बह रहा हजारों लीटर पानी। *फोटो : अनिल चहल।*

प्रो नेशनल किक बॉक्सिंग में तनीषा ने टाइटल बेल्ट जीती

रोहतक। कोलकाता में गत 15 से 17 अप्रैल तक प्रो नेशनल किकबॉक्सिंग लीग का आयोजन हुआ। इसमें रोहतक की तनीषा काद्यान ने 60 किलो भार वर्ग में छत्तीसगढ़ की स्वाति राजवाड़े को 2-1 से हरा कर टाइटल बेल्ट अपने नाम करके राज्य का नाम रोशन किया। इस मौके पर भारतीय किक बॉक्सिंग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल ने खिलाड़ी को जीत की बधाई दी और आने वाले खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। रोहतक जिला किकबॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सभरवाल और कोच दीपक सिवाच ने खिलाड़ी को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

- भारतीय किक बॉक्सिंग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल ने खिलाड़ी को जीत की बधाई दी

कार्यक्रम ब्रेस्ट कैंसर केयर-2025 कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन पर बोले कुलपति डॉ एचके अग्रवाल

रोबोटिक व एआई तकनीक भी सीखें चिकित्सक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

आज के समय में चिकित्सा जगत में नित नई तकनीकें आ रही हैं। अब रोबोटिक व एआई का युग है, ऐसे में हमें इसके बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। हमें पता होना चाहिए कि ऑपरेशन के दौरान रोबोटिक का क्या रोल है और इससे मरीज को जल्दी ठीक होने में कितना फायदा मिल सकता है। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एचके अग्रवाल का। वें सर्जरी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग द्वारा रविवार को सुश्रुत सभागार में आयोजित ब्रेस्ट कैंसर केयर-2025 कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए थे। दीप प्रज्ज्वलित करके कांफ्रेंस का शुभारंभ करते हुए कुलपति डॉ एचके अग्रवाल ने कहा कि ब्रेस्ट कैंसर जानलेवा साबित हो रहा है, ऐसे में उन्हें पूरी उम्मीद है कि आज हरियाणा से आए चिकित्सकों व रेजिडेंट चिकित्सकों ने काफी कुछ नया सीखा होगा। डॉ एचके अग्रवाल ने कहा कि अन्य विभागों को भी अपने चिकित्सकों को अपडेट रखने के लिए इस प्रकार की सीएमई या कांफ्रेंस आयोजित करनी चाहिएं। निदेशक डॉ एसके सिंघल ने कहा कि अब कंजर्वेटिव सर्जरी का युग है। उन्हें काफी खुशी है कि आज की कांफ्रेंस स्तन कैंसर प्रबंधन में अवधारणाओं को बदलना और रुझान को शामिल करना विषय पर आयोजित की गई है। डॉ. सिंघल ने कहा कि आजादी के अमृत काल के तहत कई विभागों द्वारा सामूहिक रूप से मिलकर जो यह कांफ्रेंस डॉ. एमजी वशिष्ठ, डॉ. संजीव प्रसाद व डॉ. नित्याशा ने आयोजित की है, उसके लिए वें बधाई के पात्र हैं। डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. ध्रुव चौधरी ने आयोजकों को बधाई दी। सर्जरी विभागाध्यक्ष एवं चीफ ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. एमजी वशिष्ठ ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान कुलपति डॉ.अग्रवाल के निर्देशन में सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कैंसर पूरे विश्व में मृत्यु का एक बहुत बड़ा कारण बनता जा रहा है, ऐसे में इस कांफ्रेंस से उनके विभाग के चिकित्सकों को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते हुए कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल।

उपचार तकनीक में हुआ सुधार

डॉ. एमजी वशिष्ठ ने बताया कि आज यहां रिसर्चों के माध्यम से बताया गया कि पहले जहां कैंसर के चलते पूरी ब्रेस्ट निकालनी पड़ती थी, अब वहीं कुछ कुछ चुनिंदा मरीजों में थोडा सा हिस्सा निकालकर भी मरीज को ठीक किया जा सकता है। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. नित्याशा ने बताया कि उन्हें काफी खुशी है कि काफी समय बाद यह दूसरी कांफ्रेंस का आयोजन करने का अवसर मिला, जिसमें रेजिडेंट चिकित्सकों को स्तन कैंसर की जल्द पहचान, उसका इलाज करने के बारे में विस्तार से सिखाया गया। डॉ. नित्याशा ने बताया कि आज यहां पूरे देश के विख्यात स्तन कैंसर सर्जन व्याख्यान देने के लिए आए हैं। ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. संजीव परशाद ने कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि करीब 150 रेजिडेंट चिकित्सकों व पूरे हरियाणा से 50 चिकित्सकों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था। डॉ. संजीव परशाद ने बताया कि संस्थान में नवीनतम तकनीकों से स्तन कैंसर का इलाज किया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डीन डॉ. कुलदीप लालर, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, डॉ. महावीर, डॉ. आरके चौधरी, डॉ. अनिल बिरला, डॉ. संजय मरवाह, डॉ. पुष्पा दहिया, डॉ. सविता सिंघल, डॉ. सतीश दलाल, डॉ. हंसराज, डॉ एआर बंसल डॉ. सुरेंद्र वर्मा सहित सैकड़ों चिकित्सक उपस्थित रहे।

लोक गायन

लोक संगीत का तात्पर्य पारंपरिक संगीत और लोक संगीत की आधुनिक धारणा दोनों से हो सकता है। हरियाणा प्रदेश में लोक गायन की अलग-अलग शैलियां प्रचलित हैं जैसे घरवा गायन, झूलना, पटका, रसिया, आदि। ये शैलियां राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लोक गायकों द्वारा गाए जाने या प्रस्तुत किए जाने के तरीके में एक-दूसरे से भिन्न हैं। इसी तरह गाथाएं लोक संगीत का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनमें आमतौर पर ऊपर बताए गए गीतों की तरह लोक कविता के गीतात्मक गुण नहीं होते। वे समुदाय का अलिखित इतिहास हैं।

लुप्त होती प्रदेश की अनमोल विरासत रागनी

कला-संस्कृति

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा की लोकसंस्कृति में रागनी एक महत्वपूर्ण कला है, जो समय के साथ धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम रही है, बल्कि सामाजिक संदेश देने, वीर रस जगाने और लोक इतिहास को संजोने का एक प्रभावशाली ज़रिया भी रही है। हरियाणा की रागनी न केवल मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम रही है, बल्कि समाज सुधार की दिशा में भी इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। यह लोककला सिर्फ़ संगीत नहीं, बल्कि एक आंदोलन रही है, जिसने लोगों को जागरूक किया, बुराइयों के खिलाफ खड़ा किया और समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया। हरियाणवी रागनी लोकसंस्कृति का अभिन्न अंग रही है और इसके प्रचार-प्रसार में जाहरवीर कल्लू खां, अजीत सिंह गोरखपुरिया, दयाचंद लांबा, राजेंद्र खड़खड़ी, जसमेर खरकिया, सुरेंद्र भादू, सूरजभान बलाली, मामन खान, सतीश ठेठ, कविता कसाना के साथ-साथ और भी कई महान कलाकारों का योगदान रहा है। आज भी कई युवा कलाकार रागनी को आगे बढ़ा रहे हैं और इसे डिजिटल मंचों के माध्यम से नई ऊँचाइयों तक ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। हरियाणवी रागनी को जीवित रखने में संदीप सरगथलिया, वीर सिंह फौजी, धर्मवीर नागर, राजबाला, मास्टर छोटूराम बड़वा जैसे कई कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इनकी मेहनत और समर्पण से यह लोककला आज भी जीवित है, हालाँकि इसे और संरक्षण और प्रोत्साहन की ज़रूरत है।

रागनी हरियाणवी लोकगीतों और कविताओं का एक विशिष्ट रूप है, जिसे मुख्य रूप से हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में गाया जाता है। इसमें वीरता, प्रेम, भक्ति, सामाजिक मुद्दों और ऐतिहासिक घटनाओं का चित्रण किया जाता है। पहले यह कला अखाड़ों और मेलों में बहुत लोकप्रिय थी, जहां गायक अपनी आवाज़ और जोश के साथ लोगों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। रागनी के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और समानता पर जोर दिया गया। कई लोकप्रिय रागनियों में बाल विवाह, दहेज प्रथा और महिलाओं पर अत्याचारों का विरोध किया गया है। बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ जैसे संदेशों को रागनी ने जन-जन तक पहुंचाया।

हरियाणवी समाज में जातिगत भेदभाव को ख़त्म करने और समानता का संदेश देने में रागनी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। कई प्रसिद्ध रागनियों ने बताया कि सभी मनुष्य समान हैं और कर्म को जाति से ऊपर रखना चाहिए। रागनी के माध्यम से शराब, जुए और अन्य नशों की लत से बचने के संदेश दिए गए। कलाकारों ने इन बुराइयों को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रेरक गीत गाए। हरियाणा की ग्रामीण जनता के लिए रागनी एक ताकत बनी। इसमें किसानों की समस्याओं, मजदूरों के अधिकारों और सरकार से उनकी माँगों को जोरदार तरीके से उठाया गया। कई रागनियों में किसान आंदोलनों, फ़सल के सही दाम और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए गए हैं।

ब्रिटिश राज के दौरान रागनी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक प्रभावशाली हथियार बनी। लोकगायक अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता में देशभक्ति की भावना भरते थे और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का आह्वान करते थे। आज के दौर में भी रागनी समाज सुधार का माध्यम बनी हुई है। डिजिटल मीडिया और मंचों पर युवा कलाकार सामाजिक मुद्दों पर रागनी प्रस्तुत कर रहे हैं। हरियाणवी लोकसंस्कृति की पहचान रागनी समय के साथ लुप्त होती जा रही है। कभी गाँवों के चौपालों, मेलों और अखाड़ों में गूँजने वाली यह कला अब केवल कुछ पुराने कलाकारों और रसिकों तक सीमित रह गई है। इसके लुप्त होने के पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारण ज़िम्मेदार हैं। पहले के समय में गाँवों में बैठकर बुजुर्ग अपनी अगली पीढ़ी को लोकगीत और रागनी सिखाते थे, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त हो रही है। लोकगीतों और रागनी को नयी शैली में ढालने का प्रयास कम हुआ है, जिससे यह लोगों के लिए कम प्रासंगिक हो गई है। नवीन मनोरंजन साधनों टीवी, इंटरनेट और पॉप संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के कारण युवा पीढ़ी लोककला से दूर होती जा रही है। आधुनिक संगीत उद्योग में रागनी को वह स्थान नहीं मिला जो अन्य संगीत शैलियों को मिला है। युवा पीढ़ी इसे करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित नहीं हो रही है।

> कभी गांवों की चौपालों, मेलों और अखाड़ों में गूंजने वाली यह कला अब केवल कुछ पुराने कलाकारों और रसिकों तक सीमित रह गई है। इसके लुप्त होने के पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारण ज़िम्मेदार हैं। पहले के समय में गांवों में बैठकर बुज़ुर्ग अपनी अगली पीढ़ी को लोकगीत और रागनी सिखाते थे, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त हो रही है। लोकगीतों और रागनी को नयी शैली में ढालने का प्रयास कम हुआ है, जिससे यह लोगों के लिए कम प्रासंगिक हो गई है। इस कला को संरक्षित करने के लिए कोई औपचारिक संस्थान या पाठ्यक्रम भी उपलब्ध नहीं हैं।

इस कला को संरक्षित करने के लिए कोई औपचारिक संस्थान या पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं हैं। रागनी को नए संगीत वाद्ययंत्रों और आधुनिक ध्वनि तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जाए, ताकि यह युवाओं को भी आकर्षित कर सके। हरियाणवी फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री में रागनी को स्थान दिया जाए। रागनी को रैप और हिप-हॉप जैसी आधुनिक शैलियों के साथ मिलाकर फ्यूज़न रागनी तैयार की जाए, जिससे यह युवाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचे। हरियाणवी लोकसंस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग रागनी आज विलुप्ति के कगार पर है। मनोरंजन के आधुनिक साधनों के आगमन और बदलते सामाजिक परिवेश के कारण यह कला पिछड़ती जा रही है। यदि समय रहते इसके संरक्षण के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत केवल किताबों में ही देखने को मिलेगी। स्कूलों और कॉलेजों में रागनी को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, ताकि युवा पीढ़ी इसकी जड़ों से जुड़ सके। विश्वविद्यालयों में लोककला और संगीत की पढ़ाई के अंतर्गत रागनी पर शोध को बढ़ावा दिया जाए। बच्चों को पारंपरिक संगीत में रुचि दिलाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थानों को लोक महोत्सवों में रागनी को विशेष स्थान देना चाहिए। यूट्यूब, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया के माध्यम से इसे युवाओं तक पहुँचाया जा सकता है। स्कूलों और कॉलेजों में रागनी की शिक्षा दी जानी चाहिए। लोक कलाकारों को आर्थिक और सामाजिक समर्थन दिया जाना चाहिए। रागनी केवल एक गीत शैली नहीं, बल्कि हरियाणा की संस्कृति की पहचान है। यदि इसे संरक्षित करने के लिए उचित क़दम नहीं उठाए गए, तो यह अमूल्य धरोहर धीरे-धीरे विलुप्त हो जाएगी।

अब समय आ गया है कि हम इसे फिर से लोकप्रिय बनाएं और इसकी समृद्ध परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। रागनी केवल लोकगायन नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का सशक्त माध्यम है। यह सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज़ उठाने, सुधार की ओर प्रेरित करने और बदलाव लाने की ताकत रखती है। अगर इसे सही दिशा में प्रोत्साहित किया जाए, तो यह समाज सुधार की एक मज़बूत नींव बन सकती है।

रागनी सिर्फ़ गीत नहीं, ये समाज की आवाज़ है!
लोककला हमारी पहचान है, इसे बचाना हमारी शान है!

कविता | संदीप शर्मा

खेल पुराणे कड़ै गए

बता रै बील्ले खेल्या करते, वैं खेल पुराणे कड़ै गए ।
बित्ती डंडा गोली कंचे, रोज उल्हाणे कड़ै गए ।

चौक पै टोफी बेच्या करता, वो ताऊ भोळा कड़ै गया
कित गए कलम दवात बता, कट्टे का झोळा कड़ै गया
तीन और दो का करा फैसला, यार बिचौला कड़ै गया
भाङ मैं भूगडे भुन्या करता, वो दादा ढोला कड़ै गया
बिन्या लीतर् यां हान्डया करते, वैं सीम सिमाणे कड़ै गए

कित गया बङ कित गया पीपळ,कित जाम्मण आळा मोर गया
कित गई कात्तर की गींडी, कित खेल वो घट्टाटोर गया
कित गई गाड्डी कित गए रहड़ू, कित वो कच्चा गोहर गया
कित गए हाळी कित गए [redacted]ी, कित वो डांगर ढोर गया
कड़ै सिपाही चोर गया,ल्हुक्के नैं डराणे कड़ै गए ।

बाग तलक जो फैले थे वैं, शीशम जांडी कड़ै गए
ऐडी ठा चढ चीज मिलै, वैं टांड और टांडी कड़ै गए
जेठ मैं पाणी सीळा रह वैं, बास्सण हांडी कड़ै गए
राम बरसतए उतर् या करते,वैं पूडे मांडी कड़ै गए
वैं माणस आंडी कड़ै गए,वैं टेम सुहाणे कड़ै गए ।

होया करदी सन्दीप कदे आडै,ऊँची हाट चुबार् यां की
कित गई प्यारे की साईकल जो,लदी रहै थी सार् यां की
छींटे दे-दे थळस्या करते,कित गई पाळ वैं गार् या की
कित पीत्तलके डेग गए कित, आग्य चली गई हार् यां की
कित का डंडा की जाळ गई,जोहडां मैं न्हाणे कड़ै गए ।

शक्तिपीठ राजस्थान के करौली जिले के कैलादेवी गांव में स्थित शक्तिपीठ उत्तर भारत के करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां विशाल मेला लगता है

सिद्ध शक्तिपीठ राज राजेश्वरी कैलादेवी मंदिर

धर्म | विकास खितौलिया

ततः कलियुगे प्राप्ते कैलो नामा भविष्यति ।
मम भक्तस्तस्य नामना भाव्या कैलेश्वरीत्यहम् ।।

प्राचीन ग्रन्थों, स्कन्दपुराण में माता के प्राकट्य एवं चरित्र की अनेक कथायें मिलती हैं । पूर्व में इस कैलादेवी मन्दिर में केला मां का यह श्री विग्रह कब और कहाँ से आया, इसका कोई प्राचीन लिखित लेख, अभिलेख या बीजक तो मिलता नहीं। हाँ, जनश्रुति तथा वृद्धजनों के आधार पर इस सिद्धपीठ की स्थापना के विषय में जो कुछ मैया केला रानी के चमत्कारों और उत्पति की अनेक किवदन्तियों से ज्ञात हो सका वह इस प्रकार है कि प्राचीनकाल में बाँसीखेड़ा के पास एक प्राचीन ग्राम लोहर्रा के भयानक जंगल में स्थित गिरी, कन्दराओं में एक दानव रहता था जिसके आतंक के कारण संयासी एवं आमजन ग्रामवासी थर-थर कांपते थे। वहीं लोहर्रा ग्राम से कुछ दूरी पर वर्तमान मन्दिर से 3 किमी दूर एक गुफा में जहाँ बाबा केदारगिरि, माँ भगवती की उपासना तप किया करते थे। दानव के आतंक से मुक्ति दिलवाने के लिए बाबा केदारगिरि ने स्वयं हिंगलाज पर्वत पर जाकर घोर तपस्या की और मां कैलादेवी को प्रसन्न किया और वरदान मांगा कि वह दानव का नरसंहार करे। कुछ समय पश्चात ने उस दानव का मां कैला ने एक कन्या के रूप में कालीसिन्ध नदी के तट पर वध कर दिया। वर्तमान समय में इस स्थान को दानवदह (दानादह) के नाम से जाना जाता है जहां एक बडे पाषाण पर आज भी दानव के पैरों के चिन्ह तथा माताजी के चिन्ह एक शिला पर बने हुए हैं। दानव के वध के पश्चात बाबा केदारगिरी ने कैलादेवी प्रतिमा की स्थापना 1114 ई. में की थी। कैला ग्राम के समीप घोर बियावान जंगल के त्रिकूट नामक पर्वत पर राज राजेश्वरी कैलादेवी का दिव्य मन्दिर है। इस विशाल बियावान जंगल को कैलादेवी अभयारण्य कहा जाता है। यह उत्तर भारत के सिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। मन्दिर के नीचे धनुषाकार में एक नदी बहती है जिसे कालीसिल (शिला) नदी कहा जाता है। लगभग सन् 1700 ई. में पुनः निर्मित कैला देवी माँ का यह सिद्ध शक्तिपीठ करौली राज्य जनपद में होने के कारण ही इन्हें करौली वाली माता भी कहा जाने लगा।

बोहरा भगत की किवदन्ती के अनुसार वह अपनी बकरियाँ को उस दुर्गम पहाड़ियों पर चराता था, प्रतिदिन उसकी बकरियां एक विशेष स्थान पर अपना दूध सृवित करती थी। उसने भक्ति भाव से इस स्थल की खुदाई की तो मां केला देवी की प्रतिमा निकली। भगत ने भक्तिपूर्वक पूजन कर ज्योति जगाई धीरे-धीरे प्रतिमा की ख्याति पूरे क्षेत्र में फैल गई। निकटस्थ आमपीतुपुरा ग्राम के मीणा परिवार ने अपनी भक्ति से देवी को प्रसन्न किया। तभी से उसी परिवार के बंशज देवी का भाव प्रकट करके गोठिया कहलाते हैं। अधिकांश लोगों में चर्चा रहती है की माँ कैला देवी की मूर्ति का मुख एक ओर टेढ़ा क्यों है। इस बारे में भी कई किवदन्तियाँ हैं। इनमें कौनसी बात सही है, यह बताना मुश्किल है। कुछ विद्वान लोगों का विचार है कि मां चामुण्डाजी तमोगुणी है और वह मांस मदिरा आदि का भक्षण करती है और माँ कैलादेवी सात्विकी, सतोगुणी है और वे इन चीजों का सेवन नहीं करतीं इसलिए मातेश्वरी केला ने अपना मुख चामुण्डा देवी की ओर से घुमा लिया है ।

एक किवदन्ती के अनुसार आगरे के रहने वाले गोली भगतजी भी कैलादेवी का अनन्य भक्त था जो पुराने जमाने में बैलगाड़ियों के रसाले के साथ देवी भक्तों को लेकर प्रति वर्ष कैलादेवी मंदिर आता था। गोली भक्त को किसी कारणवश मन्दिर में दर्शन नहीं करने दिये, इससे माँ कुपित हो गई और इसी से उनका मुख एक ओर टेढ़ा हो गया। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि माताजी का एक भक्त जाते समय माँ से कह गया था कि माँ मैं जल्दी ही लौट कर आऊँगा लेकिन वह फिर नहीं आ सका। अतः माँ का भक्त जिस दिशा में गया था, उसी ओर देखकर उस भक्त की प्रतीक्षा कर रही है।

माँ श्रीकैलादेवी का यह मन्दिर अब जिस भूमि पर बना हुआ है, वह भूमि कभी चम्बल नदी के पार कोटा राज्य में खींची राजा श्री खींची मुकुन्ददास के अधिकार में थी। इन्होंने श्रीकैलादेवी मन्दिर से लगभग 10 किमी. दूर दक्षिण में बसे बाँसीखेरा गाँव में स्थापना बीजक सम्वत 1207 में मां चामुण्डा की मूर्ति स्थापित कर उसकी आराधना की थी। बाँसीखेरा ग्राम खण्डर रूप में परिवर्तित होने के कारण चामुण्डा मैया की यही मूर्ति बाद में सेवा-पूजा के अभाव के कारण करौली के महाराज श्री गोपालसिंह के द्वारा 1708 ई. में यहाँ प्रतिष्ठित हुई । 1787 में मन्दिर का निर्माण कार्य पूरा हुआ बाद में अन्य परवर्ती करौली यदुवंशी शासकों द्वारा समय समय पर मंदिर का व्यापक विकास होता चला आ रहा है। राजा जयसिंहपाल, राजा अर्जुनपाल, राजा भंवरपाल, राजा कृष्ण चंद्रपाल, युवराज विवासतपाल ने मंदिर में अनेक विकास कार्य मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से करवाए । प्रतिवर्ष यहाँ अमावस्या से लेकर नवमी तक हजारों दर्शनार्थी पहुँचते हैं। किन्तु चैत्र माह की नवरात्रें के दिनों में तो अपार जन-समूह एकत्र होता है। लाखों जात देने वाले परिवार यहाँ पहुँचकर माता के दर्शन-पूजा करते हैं। अपनी माता की पहली जात देने की लिए श्रद्धालुजन विवाह पश्चात नवविवाहित जोड़े को लेकर माता के दर्शन-पूजा करते हैं और संतान प्राप्ति का सुख पाकर एवं अपनी मन्नत पूरी करने के पश्चात भी आते है । यहाँ नवरात्रों के समय विशालतम लक्खी मेला का आयोजन होता है जिसे कुम्भ के बाद उत्तर भारत का दूसरा धार्मिक मेला माना जाता है। प्रतिदिन रोजाना लाखों की संख्या में दूरदराज के पदयात्री ध्वज लेकर आते हैं। मेले के दौरान महिला यात्री सुहाग के प्रतीक के रूप में हरे रंग की चुड़ियां एवं सिन्दूर की खरीदारी करती हैं।

कविता | सरोज दहिया

किसनै भारत देस बिगाड़या

साढ्ढा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये;
फिल्मां सेत्ती फैसन फैलया, सत करम मिलै ना टोह्ये ।

झूठी साच्ची घड़ै कहाणी, लोगां नै भरमावैं,
मूरख छोड्डैं काम, अकलबंद नाम्मा खूब कमावैं;
भांड-भडेले-सांगी सारे, एक्टर ईब कहवावैं,
पहल्यां करैं कमाई, फेर संसद म्हैं कुर्सी पावैं ;

नंगड़ जादू सीख गये , सारे नर-नारी मोह्ये,
साढ्ढा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये ।

फिल्मां की थी कसर किते, [redacted] इस डिजिटल नै हर ली,
चैनल खूब खखाटे ठाहें, सरम [redacted]समूची मर ली ;
झूठी कहाणी तैर रही सैं, साची बरगी लाग्गै,
बुद्धि ऊपर पड़दे पड़गे, लोग रात नै जाग्गै ;

धरम-करम ना रहे बखत पै, हांडैं खोये खोये,
साढ्ढा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये ।

ज्ञान रह्या ना आश्रमां का, काम वरण तै न्यारे;
बाह्मण पनही बेच रहे सैं, छतरी बणे बिचारे;
जमींदार नै धरती बेची, होगे वारे-न्यारे,
मीहने आळी तनख़ा भा गी, ओट रहे दुत्कारे ;

'दहिया' नै तै गाम-काम म्हैं, जिंदगी के सुख टोह्ये,
साढ्ढा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये ।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

समाज निर्माण में फिल्मों का अहम योगदान : अशोक वर्मा

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी सिनेमा के दौर को जीवंत करने के लिए फिल्म और लोक कला से जुड़े कलाकारों ने अपनी संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत करने के लिए बॉलीवुड तक का सफर तय किया है। ऐसे कलाकारों में पिछले लंबे समय से हरियाणवीं फिल्म उद्योग से जुड़े अभिनेता अशोक वर्मा भी शुमार है, जिन्होंने समाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर फिल्मों, वेब सरीज और सीरियलों में अपनी अभिनय की कला के साथ फिल्म निर्माता के रूप में भी लोकप्रियता हासिल की है। हिंदी, पंजाबी और हरियाणवी सिनेमा में लेखन और अभिनय के साथ हास्य कलाकार के रुप में उन्होंने हिरयाणवी संस्कृति और सामाजिक सरोकार से जुड़ मुद्दों को सर्वपरि रखते हुए युवा पीढ़ी को भी सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया है। फिल्म निर्माता और अभिनेता अशोक वर्मा ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें फिल्मों की पटकथा का सकारात्मक दृष्टिकोण समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है।

हरियाणवी फिल्म निर्माता और अभिनेता अशोक वर्मा का जन्म 6 सितंबर 1982 को जींद जिले के गांव रामकली में धर्मवीर वर्मा और ओमपति देवी के घर में हुआ। उनके पिता जींद के सफीदों में हरियाणा स्वास्थ्य विभाग में फोरमैन के पद पर तैनात रहे, जहां वह बचपन से ही परिवार के साथ रहते हैं। घर परिवार में भले ही कोई सांस्कृतिक या कला का माहौल

नहीं था, लेकिन अशोक वर्मा को बचपन से ही सांस्कृतिक गतिविधियों में रुचि थी। स्कूल के दौरान वह बाल सभाओं में होने वाले वाले कार्यक्रमों में हिस्सेदारी करते थे। बकौल अशोक वर्मा, साल 2001 में वह जब लैब तकनीशियन की परीक्षा देने चंडीगढ़ गए, तो पता चला कि पंजाबी हास्य कलाकार जसपाल भट्टी भी यहीं रहते हैं और उन्होंने उनसे मुलाकात करके अपनी कला को साझा किया। उन्होंने अपने साथ काम करने का मौका दिया और यहीं से उनका पंजाबी सीरियल प्रोफेसर मनी प्लांट से कला के क्षेत्र में करियर शुरू हुआ। अशोक वर्मा ने बचपन में फिल्मों में काम करने का जो सपना संजोया था उसी लक्ष्य के साथ वह 2005 में मुंबई पहुंच गये, जहां उन्होंने अपने एक दोस्त एवं टीवी सीरियल डायरेक्टर अभिषेक भोला के कहने पर हिंदी बॉलीवुड फिल्म 'गोल्डन बॉयज' के लिए ऑडिशन दिया, जिसके लिए उन्हें डॉक्टर के किरदार के रूप में असरानी और मुकेश तिवारी जैसे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। इसी दौरान उन्होंने स्टार प्लस टीवी धारावाहिक में बॉलीवुड अभिनेता के साथ भी अभिनय करने के अलावा हिंदी सीरियल लापतागंज में काम किया, लेकिन कुछ परिवारिक समस्याओं के कारण उन्हें वापस हरियाणा आना पड़ा। उन्होंने हरियाणवी वेब सीरीज़ भूतां का बटेऊ, फिल्मी थाना, दो जुगाड़ी, पहलवान बहु, फंडू सरपंच, फंडू का स्कूल, टाइम पास, धर्मे का कुनबा आदि कई अन्य फिल्मों में हास्य कला का प्रदर्शन किया। तब से वह लगातार हरियाणवी फिल्म उद्योग में काम कर रहे हैं।

ऐसे मिली अभिनय को मंजिल

अभिनेता अशोक वर्मा ने पिछले दो दशक से ज्यादा समय में हरियाणवी, पंजाबी और हिंदी सिनेमा में काम करते हुए फिल्म निर्माता और फिल्म पटकथा लेखक के रूप में भी लोकप्रियता हासिल की है। अब तक 15 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय करने के साथ उन्होंने करीब 20 वेब सीरीज में भी प्रमुख अभिनेता का किरदार निभाया। उनके द्वारा निर्मित हिट फिल्मों में पुनर्जन्म, रमेश रोशनी की लव स्टोरी, वीर किसान, स्वर्ग वर्सेस नरक, भाईचारा आदि में अपने अभिनय की कला को दिखाया है। लोकप्रिय फिल्म निर्माता एवं अभिनेता की आने वाली फिल्मों में मासूम शर्मा, यशपाल शर्मा व सपना चौधरी के साथ फिल्म 'लाइसेंस' मुकेश दहिया के साथ फिल्म 'हलालपुर' के अलावा प्रीत पराई, कमीनो के सुपर स्टार, धीमा जहर, हैलो पुलिस, गडरिया, हॉरर, अनामिका होंगी। वहीं सुमन सेन और अनामिका बावा के साथ फिल्म 'एक रहस्य' और फिल्म 'रोहतक कब्जा' हैं, जिसमें उन्होंने आशुमन प्रोडक्शन के तहत निर्माता की भूमिका भी निभाई है। इसके अलावा अशोक वर्मा ने अमित सैनी रोहतकिया, मासूम शर्मा, एमडी, केडी, देव कुमार देवा, सुरेंदर रोमियो, मनीष मस्त, जीतू जी, विक्की काजला अन्नू कादयान, वीर साहू, सपना चौधरी आदि हरियाणवी टॉप सिंगरों के साथ भी करीब 400 हरियाणवी गानो में बतौर मॉडल व अभिनेता काम किया है। वहीं सरकार, राजनीतिक और विभिन्न कंपनियों के विज्ञापन फिल्मों में भी एक्टिंग की है।

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणवी फिल्म निर्माता एवं अभिनेता अशोक वर्मा की फिल्म 'धीमा जहर' को हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रोहतक के एमडीयू में आयोजित हरियाणा फिल्म महोत्सव में बेस्ट एडिटर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। साल 2022 में ग्लोबल आईकोनिक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

खबर संक्षेप

धन्ना भगत की जयंती समारोह में की भागीदारी

रोहतक। शिरोमणि धन्ना भगत की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को जींद जिले में उचाना के गांव पलवां में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में महम क्षेत्र से बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पूरे जोश और उत्साह के साथ रवाना हुए। जयंती समारोह में महम हल्के से उल्लेखनीय भागीदारी रही। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि रहे। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन संत महापुरुष सम्मान एवं विचार-प्रसार योजना के तहत किया गया था। भाजपा युवा नेता नवीन ढुल के नेतृत्व में विभिन्न गांवों के प्रतिनिधियों की अगुवाई में रवाना हुए लोगों ने भगत शिरोमणि धन्ना भगत के जयंती समारोह में पहुंचकर प्रदेश के मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि धन्ना भगत सर्व समाज के संदेशवाहक थे। वर्ष 2014 में जब हरियाणा प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तभी से हरियाणा सरकार ने यह एक बड़ा ऐतिहासिक निर्णय लिया है कि समाज को अच्छी दिशा देने वाले सभी महापुरुषों, गुरुओं, संतों की जयंती हर वर्ष हरियाणा सरकार की ओर से राज्य स्तर पर मनाई जाएगी। शिरोमणी धन्ना भगत एक महान संत, भक्त और समाज सुधारक थे।

श्रावकों के लिए ध्वजा का कार्य सदा महत्वपूर्णः मुनि प्रणम्यसागर

हजारों की संख्या में श्रद्धालु दिल्ली, नजबगढ़, जींद, हिसार, गुरुग्राम आदि से आ रहे हैं

- श्रद्धालुओं ने महाराज मुनि के दर्शन कर उनके चरणोंमें श्रीफल भेंट किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आगामी मंगल कार्य की स्थित का प्रकष्ठ होता है। आचार्यों ने कहा है श्रावकों के लिए ध्वजा का कार्य सदा महत्वपूर्ण है, ये बात मुनि प्रणम्यसागर महाराज ने श्रद्धालुओं से कही।

श्री दिंगबर जैन मंदिर सराय मोहल्ला रोहतक एवं सकल जैन समाज द्वारा आयोजित झज्जर रोड पर स्थित भगवान शांतिनाथ जैन मंदिर, जैन जतिजी में पंचाकल्याण प्रतिष्ठा महामहोत्सव में गर्भ कल्याणक उत्तर क्रिया में मंत्र आराधना, अभिषेक, शांति धारा, नित्यमय पूजा, हवन विधान, मंडल प्रतिष्ठा श्रद्धालुओं द्वारा की गई। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि रोहतक एक धर्मनगरी बन चुकी है, हजारों की संख्या में श्रद्धालु दिल्ली, नजबगढ़, जींद, हिसार, गुरुग्राम, हांसी, झज्जर आदि से महोत्सव में आ रहे हैं। सुबह 6 बजे जलाभिषेक एवं शांति धारा सौधर्म गौतम जैन, कुबेर, विवेक जैन, सिद्धार्थ जैन, शलेन्द्र जैन के परिवार एवं सभी श्रद्धालुओं ने की। ब्रह्मचारी नीतिन भैया ने विनय पाठ, नवदेवता पूजा, गर्भकल्याण की पूजा, अष्ट द्रव से बना भगवान के चरणों में श्रद्धालुओं के द्वारा समर्पित किया गया। सभी ने मंगल आरती की। श्रद्धालुओं ने महाराज मुनि के दर्शन कर उनके चरणों में श्रीफल भेंट किया। पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने महाराज के चरणों में श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह सराय के मंदिर में भगवान के माता पिता की सवारी निकाली गई, जिसमें श्रद्धालु नाचते गाते हुए गाजे बाजे के साथ महोत्सव स्थल पर पहुंचे, वहां मंच पर माता पिता वीना जैन एवं विजेन्द्र जैन की सैकड़ों की संख्या में गोद भराई की। जिसमें अनेक तरह के उपहार, मेवा, फल, मिठाई, गिफ्ट, भेंट किये गए और उनको तिलक लगा कर पैर छू कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर 351 जोड़े पूजा अर्चना कर रहे हैं।

आचार्य कहते हैं कि भूमि की चरित्रता के लिए साध्वय जिनके पास चरित्र की पदाता है वह धर्म की ध्वजा के चरित्र के साथ आगे बढ़ते हैं और जो मंगल कार्य है वह उस कार्य को अच्छे से सम्पन्न करते है। साम्य दृष्टि जी का आठ लक्षणों में एक लक्षण है प्रभावना गुण उसमें उत्पन्न होता है।

सभी कार्यक्रम मुख्य संरक्षक समाज सेवी उद्योगपति विजय जैन व राजेश जैन की अध्यक्षता में संपन्न हो रहे हैं। मंच संचालन राजेश जैन डीएलएफ ने किया। कलाकारों ने भजनों से समा बांधा। इस अवसर पर समाज सेवी उद्योगपति विजय कुमार जैन, ब्रह्मचारी नितिन भैया, पंडित हरेन्द्र शास्त्री, पंडित विनोद कुमार, संस्था के प्रधान अतुल जैन, सचिव अजय जैन, चक्रेश जैन, अनिल जैन, मनोज जैन, शलेष जैन, मीडिया प्रभारी राजीव जैन, विकास जैन दलाल, अनुराग जैन, नीतिन लोहिया, गौतम जैन, मनोज जैन, सुनील जैन आदि मौजूद रहे।

सर्वधर्म समभाव का अनुपम उदाहरण बना विश्व शांति केंद्र

- जीवन दो सांसों का खेल है, एक जन्म के समय लेते हैं और दुसरा मृत्यु के समय छोड़ते हैं, इसके बीच का समय 'जीवन' है : ब्रह्मर्षि गुरुवानंद स्वामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अहिंसा विश्व भारती विश्व शांति केंद्र के संस्थापक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संत आचार्य लोकेश का जन्मदिन शांति-सद्भावना दिवस के रूप में अत्यंत श्रद्धा, भव्यता और गौरव के साथ विश्व शांति केंद्र गुरुग्राम में मनाया गया। कार्यक्रम धर्म, संस्कृति और मानवता की एक अनुपम संगम स्थली बन गया, जहां विभिन्न धर्म हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, जैन आदि के शिखर संतों एवं आध्यात्मिक विभूतियों ने भाग लेकर इसे सर्वधर्म समभाव का जीवंत प्रतीक बना दिया।

तिरुपति से सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव, अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमेर अहमद इलियासी, गोस्वामी सुशील महाराज, रामानुजाचार्य जियर स्वामी, सिख धर्म के प्रतिनिधि प्रमुख समाजसेवी जेपी साहनी, दलाई लामा बौद्ध धर्म के प्रतिनिधि सहित सर्वधर्म संतों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी उपस्थिति रहे। गुरुवानंद स्वामी ने कहा कि यह कोई साधारण दिन नहीं, यह एक दिव्य जन्म-दिवस है, उस आत्मा का, जो इस पृथ्वी पर मानवता, अहिंसा और धर्म के पुनरुत्थान के लिए अवतरित हुई है। आचार्य लोकेश मुनि न केवल जैन समाज के, बल्कि पूरे विश्व के आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक हैं।

ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने गहन आत्मबोध के साथ जीवन के मूल तत्वों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य का जीवन दो सांसों का खेल है एक सांस जो जन्म के समय हम लेते हैं और दूसरी जो मृत्यु के समय छोड़ते हैं। इसके बीच का समय ही हमारा जीवन है।

हर धर्म का मूल उद्देश्य केवल और केवल मानवता

उन्होंने कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि हमने कितना जिया, बल्कि यह है कि हमने कैसे जिया, क्या हमने दूसरों के लिए जिया, क्या हमने अपने आचरण से किसी के आंसू पोंछे, उन्होंने जीवन की व्यर्थताओं पर चिंतन कराते हुए कहा कि आज लोग धर्म के नाम पर लड़ते हैं, पर कोई यह नहीं सोचता कि हर धर्म का मूल उद्देश्य केवल और केवल मानवता है।

अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा कि आज हम सभी धर्मों के प्रतिनिधि एक साथ इस मंच पर हैं, यह न केवल जैन आचार्य लोकेश की महानता को दर्शाता है, बल्कि यह भी प्रमाण है कि धर्म विभाजन नहीं, एकता सिखाते हैं।हम सब एक ईश्वर की संतान हैं और सभी का उद्देश्य एकता, प्रेम और शांति है।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर नगर निगम के कमिश्नर राजीव रंजन, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचएल वर्मा, डॉ. आलोक ड्रोलिया ग्लोबल चेयरमैन अहिंसा विश्व भारती, पार्षद गगनदीप सहित अन्य उपस्थित रहे।

आर्य स्कूल मदीना में विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

महम। चिकित्सकों को स्मृति चिह्न भेंट करते प्राचार्य अशोक दांगी। फोटो : हरिभूमि

महम। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में राष्ट्रीय पोषण मिशन सप्ताह के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग मदीना के डॉक्टरों की एक टीम द्वारा एक स्कूल में सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार में डॉक्टर विनय दांगी और डॉक्टर सोनिया ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को संबोधित किया। डॉ विनय दांगी ने छात्रों को स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूक करते हुए एनएचएम के तहत उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छ जीवन शैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। डॉक्टर सोनिया ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा प्राप्त उपलब्धियां और उनके कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि एनएचएम ने समय-समय पर देश भर में मातृ और शिशु स्वास्थ्य में सुधार, रोग नियंत्रण और रोग उन्मूलन इत्यादि स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करके लोगों को जागरूक किया है।

प्राचार्य अशोक दांगी ने अपने वक्तव्य में बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास और विद्यार्थी के लिए स्वच्छ जीवन शैली अपनाने के बारे में शिक्षित करने के लिए विभिन्न अवसरों पर विद्यालय परिसर में ऐसे सेमिनारों का आयोजन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों में पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान का भी विकास होता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों सहित टीचिंग एवं नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

घरफूंक थियेटर में बुडान नाटक ने दर्शकों की संवेदनाओं को झकझोरा

रोहतक। सप्तक कल्चरल सोसायटी द्वारा पठानिया वर्ल्ड कैंपस के सहयोग से सोसर्ग स्टूडियो में आयोजित घरफूंक थियेटर सीरीज में इस बार बुडान नाटक का खूबसूरत मंचन हुआ। पूरन हार्डी की कहानी पर आधारित सांझा सपना ग्रुप, दिल्ली की इस प्रस्तुति का नाट्य रूपांतरण और निर्देशन ईश्वर शून्य ने किया। नाटक की कहानी 12-13 साल के दो बच्चों के इर्द गिर्द घूमती है। बांध का पानी एक साथ छोड़ने की वजह से उनका पूरा गांव बाढ़ में डूब गया है। बाढ़ में बहुत से मवेशी और लोग भी डूब गए हैं। अपने परिवार के बचे हुए लोगों के साथ सरकारी कैंप में रह रहे दोनों बच्चे चोरी छुपे पेड़ों की डंडियों और पुरानी हांडी से एक काम चलाऊ नाव बनाते हैं और अपने डूबे हुए गांव को देखने निकलते हैं, जहां उनका बचपन और यादें दफन हैं। नाटक बच्चों की आंखों से आधुनिकता के प्रभावों और विकास के तरीकों की पड़ताल करता है। साथ ही नाटक बढ़ते शहरीकरण और ग्रामीण-आदिवासी संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर भी सवाल उठाता है। बुडान में अजय यादव और कमल बिष्ट ने अपने भावपूर्ण और सहज अभिनय से पूरे समय दर्शकों को बांधे रखा। प्रोडक्शन, लाइट-साउंड की जिम्मेदारी अभिषेक ने निभाई। निर्देशक ईश्वर शून्य ने दर्शकों के साथ संवाद में कहा कि मध्य प्रदेश, झारखंड और कई पहाड़ी इलाकों में आधुनिकता की होड़ और शहरीकरण ने कई गांवों को इसी तरह हमेशा के लिए बाढ़ के हवाले कर दिया है। देश के बाकी हिस्सों में भी आधुनिकता की अंधी दौड़ ने जीवन को काफी मुश्किल कर दिया है।

मदवि में फेयरवेल पार्टी: मिस गॉर्जियस बनी तन्नु

रोहतक। महर्षि दयानन्द विवि के राजनीति विज्ञान विभाग में एम.ए. प्रथम वर्ष के छात्रों के द्वारा एमए फाइनल वर्ष के छात्रों के लिए विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. ममता नरवाल ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. ममता नरवाल ने एमए फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जिस भी क्षेत्र में जाएं, वहां अपनी कड़ी मेहनत एवं लगन से कार्य करते हुए समाज में अपना रचनात्मक सहयोग करें। इस फेयरवेल पार्टी में मिस्टर फेयरवेल-बिट्टू, मिस फेयरवेल-कोमल, मिस्टर हैंडसम-योगेश कुमार और मिस गॉर्जियस- तन्नु को चुना गया। इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ. प्रदीप गहलावत, डॉ. निशा मोहन, डॉ. ज्योति, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जेईई मेन में आरपीएस के 55 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक पाया स्कोर

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करती छात्राएं।

- हर्षि, ईशान, लक्षिता व अनुज ने फिजिक्स में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त कर पूरे भारत में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन की अमिट छाप छोड़ी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित जेईई मेन के परीक्षा परिणामों में आरपीएस ग्रुप के 55 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल व इससे अधिक अंक प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान रचा। आरपीएस की हर्षि ने 99.985, परसेंटाइल, छवि यादव ने 99.92 परसेंटाइल, सुजल व पियूष व सुजल ने 99.86 परसेंटाइल प्राप्त कर अंकों की सर्वश्रेष्ठता का शिखर छुआ है, वहीं विषयवार परीक्षा परिणाम पर नजर डालें तो आरपीएस की हर्षि, ईशान, लक्षिता व अनुज ने फिजिक्स में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त कर पूरे भारत में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन की अमिट छाप छोड़ी। वहीं मैथ्स में ईशान ने 100 परसेंटाइल, छवि ने 99.99, हर्षि ने 99.98, तनिष्क व कार्तिक ने फिजिक्स में 99.96 पर्सेंटाइल प्राप्त की तो वहीं केमेसट्रि में हर्षि ने 99.98 पर्सेंटाइल प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

आरपीएस ग्रुप सीईओ इंजी मनीष राव ने बताया की हर्षि ने 99.985 परसेंटाइल, छवि यादव ने 99.92, सुजल ने 99.86, पियुष ने 99.86, प्रणव कुमार ने 99.83, हर्षित राय ने 99.80, सिद्धार्थ आर्य ने 99.80, इसान अफरिया ने 99.79, चनदाशू ने 99.44, रितविक ने 99.44, रिदम ने 99.77, दिव्यांशी तेवतीया ने 99.77, गुणादित्य संधू ने 99.77, चितवन ने 99.75, प्रियांशु ने 99.75, कृष ने 99.74, अनुज ने 99.69, याशिका ने 99.60, ललित ने 99.58, सुमित पहल ने 99.55, कार्तिक ने 99.52, कृष ने 99.52, श्रुति ने 99.52, द्वितिया गर्ग ने 99.51, मान्यु यादव ने 99.51, वंश ने 99.46, शुभम ने 99.46, विवान राव ने 99.42, विनय ने 99.42, लक्षिका ने 99.38, श्रेयांश रावत ने 99.38, अन्नु शर्मा ने 99.37,अभिनव व अमितानश ने 99.37, दिव्यम ने 99.35, दिपांशु ने 99.34, सिद्धार्थ ने 99.34,कशिश ने 99.33, मानस झा ने 99.32, योगेश कुमार व अंकित गौतम ने 99.29, गुलशन कुमार ने 99.29, मानव चैधरी ने 99.29, निखिल ने 99.26, रिजुल ने 99.20, प्रियांशु ने 99.19, मोहित यादव ने 99.15, रेनित राव ने 99.14, प्रियांशु ने 99.14, गौरव सांगवान ने 99.03, हिमेश ने 99.01, हरमित खुराना ने 99, समर्थ ने 99 व रितू यादव ने 99 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव एवं डिप्टी सीईओ कुनाल राव सहित ग्रुप के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों ने अपने प्राध्यापकों के उचित मार्गदर्शन व बच्चों की कड़ी मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि एक ही ग्रुप के सबसे अधिक बच्चों ने जेईई मेन में अच्छी प्रसेंटाईल प्राप्त कर आरपीएस के साथ-साथ अपने जिले व प्रदेश का नाम गौरवांवित किया है।

शिव देव सर्विसेज
आवश्यकता है
मैन पावर कंपनी में
• एचआर हेड (महिला)
• फील्ड ऑफिसर
• टेलीकॉलर (महिला)
सिक्योरिटी गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए सम्पर्क करें।
202, टाउन सेंटर मॉल, डी-पार्क, रोहतक
अपना रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें M. 9991789000

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
PRO 5
NURSING STAFF 4
ICU STAFF 10
MALE NURSING STAFF 5
HOUSE KEEPING 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

PRIME SCHOOL UNIFORMS
Mfrs & Traders: All Types of School Uniforms, T-Shirts, Lower & Track Suits etc.
Deals in All Kind of School Bag, School Shoes & Stationary Items
Shoes 20% off
VIPIN KUMAR M. 9812587499
All School Dress also available
▸All Vaish School ▸Vedanta School
▸Shiksha Bharti ▸Scholar Rosary
▸St. Pall School ▸ZAD Global School
▸Model School ▸Shivalik School
▸DAV School ▸MRGS School ▸Baba Mast Nath School ▸ GD Royal School
802/12, Arya Nagar, Opp. Vedic Ashram, Near HUDA Complex, Rohtak | Ph.: 01262-258299

AUTH. DISTRIBUTOR
PALL & CO.
ELECTRONICS DISTRIBUTION HUB, RTK
SIDWAL WATER COOLER IS NOW
CLIMATROL
MAKE IN INDIA
IS : 1475 PART-1 CML No. 9600000211
CLIMATROL CORPORATION QUALITY REFRIGERATION EQUIPMENT
Available from 15 ltr. to 400 ltr.
For Trade Enquiry : 9810509064
9896550671, 9896450683

सेक्टरों की जर्जर सड़कों से लोगों को नहीं मिल रही राहत, पेचवर्क भी उखड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टरों में सड़कों की हालात दयनीय है। यह हालात तब है, जब पूर्व पार्षद समेत आरडब्लयूए, एचएसवीपी व नगर निगम में प्रदर्शन तक कर चुके है। लेकिन उसके बावजूद भी हालात ज्यों के त्यों बने हुए है। यहीं नहीं आमजन निगम में शिकायत तक कर चुके है, लेकिन उनकी सुनवाई भी नहीं की जा रही है। ऐसे में समस्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। समस्या और बढ़ती जा रही है। यहीं नहीं बारिश के मौसम में मार्केट के अंदर पानी के जमा रहने से लोगा गाड़ियां तक पार्क नहीं कर पा रहे है।

यहीं नहीं हाउसिंग बोर्ड इलाके में भी सड़कों की हालत दयनीय होने के कारण उन्हें दिक्क्तों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि करीब आठ वर्ष से हाउसिंग बोर्ड में नए सिरे से सड़क नहीं बनी है। केवल पेच वर्क किया जाता है और उसके बाद पानी डलने के बाद सड़क टूट जाती है। बारिश के दौरान तो मकानों के अंदर पानी चला जाता है। इसका मुख्य कारण सीवर लाइन की सफाई न होना है। पानी की निकासी के लिए उचित बंदोबस्त किया जाए तो सेक्टर वासियों को बार -बार सड़क की कमजोर हालत होने जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी।

पूर्व पार्षद कदम सिंह प्रदर्शन तक कर चुके, नहीं हो रहा समाधान

सीवर लाइन के ढक्कन तक मकानों के अंदर

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के संयोजक कदम सिंह ने बताया कि सेक्टर-1 की हाउसिंग बोर्ड इलाके करीब 300 से अधिक मकानों ने सीवर लाइन और जल आपूर्ति लाइन पर अधिग्रहण कर रखा है। मकानों के अंदर ही सीवर लाइन के ढक्कन हैं। ग्रीन बेल्ट का अधिग्रहण कर मकान बनाए गए हैं, इससे सफाई में भी परेशानी हो रही है। बारिश के मौसम में भी पानी भरा रहने की समस्याएं आती हैं।

बारिश के मौसम में बढ़ेगी समस्या

बारिश के मौसम में सेक्टरो के अंदर से पानी बाहर निकालना बहुत बड़ी चुनौती है। क्योंकि सेक्टरों का ड्रेनेज सिस्टम बिल्कुल खराब हो चुका है। बारिश पानी निकासी की पाइपलाइन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। बारिश का पानी या तो खाली पड़े प्लाटों में जमा हो जाता है, या फिर मार्केट के अंदर पार्किंग एरिया में वह पानी जमा हो जाता है। ऐसे में सामान लेने वाले ग्राहकों को गाड़ी खड़ी करने में दिक्कतें आती है। इसके कारण सड़कों पर ही गाड़ियों का पार्क करना पड़ता है।

पानी जमा होने से पनपते है जीव जंतु

सेक्टरों में बारिश का पानी ज्यादा दिनों तक जमा होने के कारण उनमें जीव जंतु पनपने लगते है। खाली पड़े प्लाटों में बड़ी-बड़ी झाड़िया उग आती है। ऐसे में उनके अंदर जीव जंतु पनपते है और बाहर आकर लोगों को परेशान करते है। इस समय में डेंगू का मच्छर भी पनपने का भय बना रहता है। लेकिन जब तक समस्या का समाधान नहीं होगा तब तक यह समस्या बनी ही रहेगी।

जल्द ही शुरू होगा निर्माण

कई सड़कों का निर्माण पहले की पूरा किया जा चुका है। जो सड़के बची हुई हैं उनका टेंडर दे दिया दिया गया है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए भी जो कमी है उनको पूरा किया जा रहा है। लोगों को सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

-भूपेंद्र सिंह, संयुक्त आयुक्त, नगर निगम।

खबर संक्षेप

एक को धूमधाम से मनाया जाएगा मजदूर दिवस

महम। चौबीसी चबूतरे पर एक मई का सुबह 11 बजे मजदूर दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को चौबीसी चबूतरे पर एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अखिल भारतीय किसान सभा, सीटू नेता और संयुक्त किसान मोर्चा व विभिन्न किसान, मजदूर और कर्मचारी संगठनों के नेताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सीटू नेत्री फूलवती आशा वर्कर ने की। बैठक का संचालन प्रकाश चंद्र ने किया।

किसानों के नुकसान की भरपाई की मांग की

रोहतक । अखिल भारतीय किसान सभा ने प्रदेश के कई जिलों में गेहूं की फसलों में हुई आगजनी की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से प्रभावित किसानों के नुकसान की भरपाई की मांग की है । किसान सभा हरियाणा के राज्य प्रधान बलबीर सिंह ने बताया को पिछले एक हफ्ते में प्रदेश के कई जिलों जिसमें सिरसा,फतेहाबाद,कैथल,कुरुक्षेत्र, करनाल, रोहतक, सोनीपत में आंधी ,तूफान के चलते तो कहीं बिजली केबलों के शॉर्ट सर्किट होने से हजारों एकड़ गेहूं की फसल और फाने जल कर नष्ट हो गई।

जननी मां की तरह करें गोमाता की सेवा : डॉ अरविंद शर्मा

गोशालाओं को कभी मिलता था दो करोड़ बजट, भाजपा ने बढ़ाकर किया 500 करोड़

- रॉबर्ट वाड्रा मामले में सरकार का नहीं है कोई लेना-देना, नहीं है कांग्रेस को कानून में विश्वास
- गांव पहरावर स्थित गोशाला में आयोजित कार्यक्रम में की शिरकत, 11 लाख गौशाला को देने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। गांव पहरावर स्थित गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा का स्वागत करते मेयर राम अवतार वाल्मीकि, हरिश कौशिक ,पार्षद प्रवीन कौशिक व अन्य और कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ अरविंद शर्मा।

प्रदेश के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में ऐसा समय भी था, जब गोशालाओं के लिए मात्र दो करोड़ रुपये ही बजट था, लेकिन भाजपा सरकार ने इस बजट को दो करोड़ से बढ़ाकर पांच सौ करोड़ कर दिया, मुख्यमंत्री नायब सैनी का यह ऐतिहासिक कार्य है, जिसकी जितनी सराहना की जाए वह कम है। उन्होंने कहा कि गायों की सुरक्षा के लिए सरकार पूरी तरह से कृत संकल्प है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस अपनी जमीन पूरी तरह से खो चुकी है और अब कांग्रेस के पास कुछ नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि रॉबर्ट वाड्रा मामले में सरकार का कोई लेना देना नहीं है और इस मामले को लेकर कांग्रेस ने जो प्रदर्शन किया है, उससे साफ है कि कांग्रेस को कानून में विश्वास नहीं है। रविवार को कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गांव पहरावर में आयोजित गौशाला नन्दिनी धाम के 36 वें स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें जननी मां की तरह गउ माता की भी सेवा करनी चाहिए, गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास माना जाता है और गोमाता, मातृत्व, उर्वरता और समृद्धि का प्रतीक है।

केंद्र सरकार का वाड्रा मामले से लेनदेना नहीं

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कांग्रेस रॉबर्ट वाड्रा मामले को लेकर सरकार पर बेवजह दोषा रोपण कर रही है, जबकि रॉबर्ट वाड्रा मामला कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहा है। इसमें केंद्र सरकार का कोई लेना-देना नहीं है, कांग्रेस बौखला चुकी है क्योंकि वह देश में अपनी जमीन खो चुकी है। वक्फ संशोधित बिल संसद में पास होने के बाद पश्चिम बंगाल में फैली व्यापक हिंसा के पर उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि वहां के हालात पर सरकार की पैनी नजर है, जहां तक प्रदेश में राष्ट्रपति शासन की बात है तो सरकार को इस बारे में बहुत सारी रिपोर्ट प्राप्त हो रही है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गाय की सुरक्षा के लिए सरकार पूरी तरह से कृत संकल्प है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जबकि पूरे प्रदेश की गौशालाओं के लिए केवल 2 करोड रुपए की सहायता दी जाती थी, जबकि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गौशालाओं का बजट बढ़ाकर 500 करोड रुपए कर दिया गया है, जोकि एक ऐतिहासिक कार्य है।

पहरावर की जमीन पर जल्द होगा काम शुरु

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गौड शिक्षा प्रचारिणी सभा को सरकार द्वारा जमीन देने का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि इस बारे में उनकी मुख्यमंत्री के साथ चर्चा भी हुई है और इस जमीन पर प्रोजेक्ट को लेकर योजना बनाई जाएगी, एक इंच जमीन भी वेस्ट नहीं होने दी जाएगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पंडित हरकिशन महाराज, मेयर राम अवतार वाल्मीकि, नरेश शर्मा, प्रवीन कौशिक, वासुदेव शर्मा, शिवकुमार शर्मा, सतबीर, आजाद सिंह, प्रहलाद पहरावर, श्रीभगवान, सुनील सरपंच, हरिश कौशिक, राजेंद्र कौशिक, चंद्रभान अत्री, बिजेंद्र कुमार, मोनू अत्री, सतीश कौशिक, पंडित रमेश, रणधीर भारद्वाज, कपिल शर्मा आदि मौजूद रहें।

हास्य कवियों ने अपनी चुटीली कविताओं से खूब गुदगुदाया

रोहतक। मदवि के टैगोर सभागार में आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में अपनी प्रस्तुति देते कवि विनीत चौहान।

रोहतक। मदवि के टैगोर सभागार में आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में उपस्थित कुलपति प्रो. राजबीर सिंह,एमडीयू के डीन विभागाध्यक्ष,प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी व गैर शिक्षक कर्मी ।

- महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के 50वें स्थापना दिवस पर यूनिवर्सिटी में आयोजित किया कवि सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में विश्वविद्यालय के 50वें स्थापना दिवस की संध्या पर हास्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में देशभर से आए हास्य कवियों ने अपनी चुटीली कविताओं तथा हास्य और व्यंग्य भरी रचनाओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया, हंसाया और मंत्रमुग्ध किया। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने प्रारंभ में हास्य कवि सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि हास्य का जीवन में विशेष महत्व है। हरियाणा की बात करें तो हरियाणा की जमीन पर हास्य हर रंग में रचा-बसा है।

नोखी रचनाओं से खूब किया लोट-पोट

कवि सम्मेलन में प्रतिष्ठित कवियों- शम्भू शिखर, डॉ. जगबीर राठी, पद्मिनी शर्मा, विनीत चौहान, महेन्द्र अजनबी, वेद प्रकाश वेद तथा सुन्दर कटारिया ने अपनी अनोखी रचनाओं और अंदाज से उपस्थित जन को खूब लोट-पोट किया। हर एक कवि की प्रस्तुति ने श्रोताओं की तालियों और ठहाकों से माहौल को जीवंत कर दिया। विशेष रूप से शम्भू शिखर के व्यंग्य, डा. जगबीर राठी की हरियाणवी शैली और पद्मिनी शर्मा की चुटीली कविताओं ने दर्शकों को खूब आनंदित किया।

ये रहे मौजूद: इस अवसर पर डीन एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एएस मान, परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा समेत एमडीयू के डीन विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, गैर शिक्षक कर्मी एवं शहर के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य जांच शिविर व भंडारा भी आयोजित

श्री बालाजी धाम गांव डोभ पहुंची पैदल ध्वजा यात्रा

रोहतक

शनि देव मित्र मंडल तेज कॉलोनी एवं भक्तों द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से सुबह 8 बजे पैदल ध्वजा यात्रा चलकर श्री बालाजी धाम डोभ पहुंची। धाम पर संकीर्तन, स्वास्थ्य जांच शिविर व भंडारे का आयोजन किया गया। भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम गांव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुये बताया कि यह यात्रा प्रत्येक रविवार को निकाली जाती है। श्री दुर्गा भवन मंदिर से प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने ज्योत प्रचंड कर यात्रा की शुरुआत की। सभी हाथ में ध्वजा लिये जय श्री राम के जयकारे लगाते हुये श्री बालाजी धाम डोभ पहुंचे।

स्वास्थ्य जांच हुई

साथ ही निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। जिसमें आंख, दांत, फ़िजियोथेरेपिस्ट, मेडिसिन और देशी वैद्य द्वारा इलाज किया गया। दवाईयां और चश्मे निशुल्क दिये गए। इसके अलावा बालाजी का सुन्दर संकीर्तन हुआ, जिसमें कलाकरों ने भजनों का गुणगान किया। साथ ही रिंकू महादेव द्वारा सुन्दर सुन्दर झाकियों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर रमेश गुप्ता, नवीन तनेजा, हर्षित कोचर, राजेश गोयल, रवि चिटकारा, अमित कौशिक आदि मौजूद रहे।

सैनी स्कूल रोड के दोनों ओर बने नालों के ऊपर ढक्कन लगवाए

रोहतक। वार्ड नंबर 8 की पार्षद अंजू सैनी के सहयोग से नगर निगम द्वारा सैनी स्कूल रोड के दोनों ओर बने नालों के ऊपर ढक्कन लगवाए गए। मौके पर मुआयना करने पहुंची पार्षद अंजू सैनी ने बताया कि सैनी स्कूल रोड शहर का व्यस्त रोड है, जिस पर दो कॉलेज व दो स्कूल स्थित हैं। खुले नाले में गिरकर कई बार छात्र, राहगीर एवं पशु चोटिल हुए हैं। इस कारण यह काम प्राथमिकता के आधार पर करवाया गया है। पार्षद अंजू सैनी ने मौके पर आकर संबंधित अधिकारियों से इस कार्य की रिपोर्ट भी ली। पार्षद ने कहा कि मेरा वार्ड स्वच्छ वार्ड अभियान को दिशा मिली है। सरकार व मेयर के दिशा निर्देशों पर कार्यों को करवाया जा रहा है, जिससे नागरिकों को असुविधा न हो। इस मौके सैनी संस्था के उप प्रधान बुधराम सैनी, सैनी बीएड कॉलेज से उप प्रधान सुरेंद्र सिंह सैनी, मैनेजर श्याम कटारिया, समाजसेवी प्रवीण सैनी, नरेंद्र सैनी, मुकेश सैनी, श्री भगवान आदि मौजूद रहे।

डीएवी स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन

महात्मा हंसराज के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डीएलएफ कॉलोनी कमला नगर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में महात्मा हंसराज का जन्मोत्सव बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। छात्रों और शिक्षकों ने एक साथ मिलकर इस खास दिन को यादगार बनाया। सुबह हवन किया गया, जिसमें सभी ने भाग लिया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें छात्रों ने गीत और भजन के माध्यम से महात्मा हंसराज के जीवन और उनके योगदान को प्रस्तुत किया। इसके अलावा निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, छात्रों ने उनके आदर्शों और शिक्षाओं पर आधारित प्रेरणादायक विचार साझा किए। प्रधानाचार्या रिंकू वर्मा ने महात्मा हंसराज के जीवन और उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने छात्रों को उनके आदर्शों पर चलने और समाज के कल्याण के लिए शिक्षा को अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने महात्मा हंसराज को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का राष्ट्रगान गाकर हुआ।

महम। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते नव ज्योति पब्लिक स्कूल निंदाना के शिक्षक।

अंतर-सदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही अर्थ और मून टीम

महम। नव ज्योति पब्लिक स्कूल निंदाना में पृथ्वी दिवस के मौके पर अंतर-सदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 10 तक के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता को जूनियर व सीनियर दो भागो में बांटा गया। जूनियर वर्ग का संचालन पिंकी, अनिता और आंचल ने किया। जबकि सिनियर वर्ग का संचालन अनिता और रवींद्र ने किया। जूनियर वर्ग में टीम अर्थ से प्रिंस, दिक्षा, कार्तिक और तनु ने प्रथम स्थान पर रहे। जबकि सीनियर वर्ग में टीम मून से पावनी, विधि, दृष्टि और राधिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर देवेंद्र, राजबीर, रेख, सुभाष, बिजेंद्र, नेहा, मीना, मीनाक्षी, पिंकी, ज्योति, मीनू, पूनम, राजबाला व सुरजीत समेत विद्यालय का समस्त स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद थे। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रिंसिपल ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बचाव धूप और लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी, पालना करने का किया आह्वान

गर्मी से बचाव के लिए प्रशासन की टिप्स की करें पालना : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वास्थ्य सुरक्षा के मद्देनजर गर्मी के मौसम में गर्म हवा और बढ़ते तापमान-लू से बचाव के लिए जिला प्रशासन द्वारा जनहित में एडवाइजरी जारी की गई है, जिसका सभी पालन करे।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने आमजन से आह्वान किया कि प्रशासन की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करते हुए हीट वेव से बचे रहें। उन्होंने बताया कि गर्म लहर की स्थिति में लू के प्रभाव को कम करने तथा लू के कारण होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए कुछ उपाय कर

सकते हैं। हीटवेव यानी लू की चपेट में आने के कारण शरीर में पानी की कमी, हीटस्ट्रोक, उल्टी, चक्कर आना, बुखार, सिरदर्द और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। कई बार हीट वेव जानलेवा भी साबित हो सकती है। ऐसे में कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। हीटवेव से सुरक्षित रहने के लिए कुछ टप्सि को फॉलो कर अपना व परिवार का बचाव रख सकते है।

हीटवेव से बचने के लिए क्या करें

हीटवेव से बचने के लिए अपने शरीर को हाइड्रेट रखने की कोशिश करें। इसके लिए अधिक से अधिक पानी का सेवन करें। इसके अलावा, आप नारियल पानी, नींबू पानी, ओआरएस और छाछ जैसे प्राकृतिक पेय का सेवन कर सकते हैं। अपने घर को ठंडा रखें, इसके लिए पर्दे, शटर या सनशेड का उपयोग करें और रात में खिड़कियां खुली रखें। घर से बाहर धूप में निकलते समेत चश्मा, टोपी, जूते या चप्पल पहनें और छाते का प्रयोग करें। शरीर को अच्छी तरह कवर करके ही घर से बाहर निकलें। हीटवेव से बचने के लिए सूती, ढीले और हल्के रंग के कपड़े पहनें। सूती कपड़े आपके शरीर को ठंडा रखने में मददगार साबित होते हैं। ताजे फलों और हरी सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करें। पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए पर्याप्त पानी दें। अगर आप ठीक महसूस नहीं कर रहे हैं तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

क्या न करें

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक धूप में न निकलें। शराब, कोल्ड-ड्रिंक्स जैसी कार्बोनेट ड्रिंक्स का सेवन न करें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन ना करें। पालतू जानवरों या बच्चों को कभी भी बंद कारों जैसे पार्क किए गए वाहनों में न छोड़ें। नंगे पांव बाहर न जाएं। बहुत गर्मी में तुरंत ठंडे पानी से नहाने से बचें। इससे तबीयत खराब हो सकती है। अगर आप देर तक बाहर रहते हैं, तो इससे आप लू की चपेट में आ सकते हैं, इसलिए इस स्थिति से बचना चाहिए।